International Journal of Research in Engineering and Science (IJRES)
ISSN (Online): 2320-9364, ISSN (Print): 2320-9356
www.ijres.org Volume 10 Issue 7 ǁ July 2022 ǁ PP. 748-754

"उच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतनाकातुलनात्मक अध्ययन"

(Comparative study of environmental social consciousness between high secondary level students),

कुसुमदेवी(**शोध-छात्रा**),(**शिक्षक-शिक्षाविभाग**),
नेहरूग्रामभारती(मानितविश्वविद्यालय),कोटवा-जमुनीपुर-दुबावल,प्रयागराज,उ.प्र.,

सारांश:
पर्यावरणीय मुद्दों का अध्ययन करने से विभिन्न पर्यावरणीय खतरों या समस्याओं केविषयमेंजानकारीप्राप्तहोतीहै।जिसकेपरिणामस्वरूप पर्यावरणीय गिरावट में तेजी से वृद्धि के कारण दुनिया भर के लोगों की गहरी सवेंदनाप्राप्त की जाती है। मानव गतिविधियों के परिणामस्वरूपपर्यावरणीय समस्याओं मेंअधिकसेअधिकवृद्धिहोरही है। इसलिए, समाजमेंपर्यावरणीयसामाजिकचेतना और समझ बनाने के लिए उन्हेंशिक्षित करना सभी प्रकार की पर्यावरणीय समस्याओं की रोकथाम और इलाज के लिए उन्हेंजागरूककरनाअत्यंतमहत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इस दृष्टिकोण के साथ, शोधार्थी ने प्रयागराजजनपद के"**उच्चमाध्यमिकस्तरकेविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणीयसामाजिकचेतनाकातुलनात्मकअध्ययन**किया। अध्ययन के उद्देश्य पर्यावरणीयसामाजिकचेतना की समग्र स्थिति की जांच करना और प्रयागराजजनपद के उच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के बीच लिंग, क्षेत्र,विज्ञानएवंकलावर्गके संबंध में पर्यावरणीयसामाजिकचेतना के स्तर की तुलना करना है। वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि वर्तमान अध्ययन की प्रक्रिया में नियोजित की गई है।शोधअध्ययनकेलिएमानकीकृत उपकरण शोधार्थिनीद्वारास्वयंनिर्मितपर्यावरणीयसामाजिकचेतनामापनी को डेटा के संग्रह के लिए नियोजित किया गया है। जिसमें सामाजिक चेतना से संबंधित *36 प्रश्न हैं* ।शोधअध्ययन से पता चलता है कि उच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियोंमेंपर्यावरणीय सामाजिकचेतना का स्तरउच्च है। और पर्यावरण के बारे में उनकी सामाजिकचेतना के संबंध मेंग्रामीणऔरशहरी विद्यार्थियोंकेबीचकोईमहत्वपूर्णअंतरनहींपायागया, विज्ञान और कलावर्ग के छात्रों के बीच भीकोईअन्तरनहींहै।लेकिनगणना *किए गए टी* -मूल्यपर *पर्यावरण के प्रति उनकी* सामाजिकचेतना के लिए लिंग के संबंध मेंलडकियों और लड़कों के बीच महत्वपूर्ण अंतर पायाजाता है।

मुख्यशब्दावली:
पर्यावरणीयसामाजिकचेतना, पर्यावरण शिक्षा, लिंग, कलावर्ग, विज्ञानवर्गआदि।

Date of Submission: 08-07-2022 Date of acceptance: 22-07-2022

प्रस्तावना :

पर्यावरण एकऐसी परिस्थिति हैं जिनके माध्यम से एक जीव चारोंओरसेघिरा हुआ होताहैं , जिसमें सभी जैविकएवंअजैविक कारक शामिल होतेहै। जिनमें मनुष्य, पौधे, जानवर, रोगाणु और सभी अजैविक कारक केसाथसाथ पानी, प्रकाश, मिट्टी, हवा, आदि शामिल हैं। अन्य शब्दों में, पर्यावरण, अन्य पर्यावरणीय जीवन को प्रेरित करता है और सभी कोजीवित रहने की परिस्थिति और अस्तित्व की अवधि निर्धारित करता है। औद्योगिकीकरण और अनियोजित शहरीकरण का विस्तार,जनसंख्याविस्फोटकेकारण, पर्यावरणीय गिरावट की समस्या तेजी से बढ़ रही है ।पर्यावरण के लिएकईसमस्याएंहैं, जैसे ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन कमी, सूखा, मिट्टी

का कटना, वनों की कटाई और अन्यप्रदूषण जो हमारे पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश जलवायु पर्यावरण की समस्याएं मानव गतिविधियों से हीमुख्यतःउत्पन्न होती हैं। मानवनियमित रूप से अनुचित योजना और पारिस्थितिक सोच के बिना पर्यावरण संसाधनों का शोषण कर रहा हैं। स्थायी विकास की विकसित अवधारणा ने पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व को बढ़ा दिया है, क्योंकि पर्यावरणीय स्थिरता के बिना टिकाऊ विकास को प्राप्त करना असंभव है। इसलिए, पर्यावरण के बारे में शिक्षित करना और जनता के बीच पर्यावरणीसामाजिकचेतनापैदा करना बहुत महत्वपूर्ण है । पर्यावरण शिक्षा और पर्यावरण के बारे में लोगों के बीच ज्ञान, कौशल, समझ, मूल्य, व्यवहार, क्षमताओं और जागरूकता के निर्माण की प्रक्रिया है। यह पर्यावरण के बारे में शिक्षा, पर्यावरण और शिक्षा के लिए शिक्षा के बारे में शिक्षा की प्रक्रिया है । स्टॉकहोम, स्वीडन में आयोजित मानव वातावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के बाद, पर्यावरण शिक्षा को विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण रूप से मान्यता प्राप्त हुई। दुनिया के कुछ अन्य देशों के साथ, भारत ने भीऔपचारिक शिक्षा के सभी स्तरों पर पर्यावरण शिक्षा कोअनिवार्य कियाहै। सामाजिकचेतनापरिस्थितियों या तथ्यों की जानकारी किएकअवधारणा है जो सीधे समझाने और समझने की क्षमता रखतीहै। पर्यावरण जागरूकता पर्यावरण के विकास, पर्यावरणीय समस्याओं और पर्यावरण के परिणामों से संबंधित कारकों के बारे में समझने की दिशा में यहएककदमहै। पर्यावरण की सुरक्षाही पर्यावरण शिक्षा और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है।

समस्याकथन:

प्रस्तुतअध्ययनकाशीर्षक:"**उच्चमाध्यमिकस्तरकेविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणीयसामाजिकचेतनाकातुलनात्मकअध्ययन**" **(Comparative study of environmental social consciousness between high secondary level students) है।**

साहित्यिकसर्वेक्षण :

शोधार्थिनीद्वाराकियेगयेसाहित्यिकअध्ययनमेंसुंदर (2015), अली (2016) , लारजीनी (2017), और पूनम (2017) में पर्यावरण के बारे में जागरूकता के स्तर में लिंग भिन्नता का महत्वपूर्ण प्रभाव पायागया। पिछले अध्ययनों के संबंध में शर्मा (2006), घोष (2014), और अस्थाना और दशिति (2015) , ने बताया कि पर्यावरण जागरूकता की स्थिति लड़कों और लड़कियों के छात्रों के बीच काफी समान है। बर्मन (2015) , नागरा (2015), और कौर (2017) ,केपरिणाममेंस्थानीय और गौरव के लिए पर्यावरणीय जागरूकता के स्तर में महत्वपूर्णअन्तरपाया गया। अस्थाना और दशिति (2015), मंडल और मंडल (2016), गुप्ता (20 17), से पता चलताहै कि ग्रामीण और शहरी माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर मौजूद नहीं है, जो उनके पर्यावरण जागरूकता से संबंधित हैं। इसके अलावा, मिश्रा (2012), सिंह (2016) और कौर (2017), द्वारा कियेगयेअध्ययनमें विभिन्न धाराओं के छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता का एक अलग स्तर पाया गया। दूसरी ओर, दत्ता (2017),सेपता चला कि अध्ययन के धाराओं के आधार पर, पर्यावरण जागरूकता में कोई भी भिन्नता नहीं है। भारत और विदेश में पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में समीक्षा किए गए संबंधित अध्ययनों से, यह स्पष्ट है कि लोगों के बीच पर्यावरण जागरूकता की कोई बराबर या सार्वभौमिक स्थिति नहीं है।

शोधअध्ययनकीआवश्यकताएवंमहत्व:

पर्यावरण और पर्यावरणीय कारकों का अध्ययन करने वाले अध्ययनों की आवश्यकता और महत्व अब एक महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्र है, जिस में दुनिया भर में शोधकर्ताओं के उत्सुकता की आवश्यकता प्रतीतहोती है। हाल के दिनों में, आबादी का विस्फोट, औद्योगिकीकरण, अनिश्चितता वाले शहरीकरण, मिट्टी विनाश, प्रदूषण, सूखे, बाढ़, भूस्खलन, भूकंप, आदि जैसे प्राकृतिक खतरों आदि के परिणामस्वरूप पर्यावरणीय गिरावट और पारिस्थितिक असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है। जनता के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना और समझ बनाना, सभी प्रकार की पर्यावरणीय समस्याओं की रोकथाम और इलाज के लिए महत्वपूर्ण तरीका है। छात्र हमारे समाज के भविष्य के नागरिक हैं और वे समाज के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यावरण को बचाने

के लिए उन्हें शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता हासिल करने की आवश्यकता है।आजपर्यावरणीयसामाजिकचेतना का अध्ययन करना, पर्यावरणीय नैतिकता और पर्यावरणीय मूल्यों से लोगों कोपर्यावरण के प्रतिसाक्षर बनाने के लिए उचित उपाय करने की आवश्यकता है। बल्किसैद्धांतिकज्ञानकीमांगकेबजाय, पर्यावरण शिक्षा को पर्यावरण के संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए, ज्ञानकेबिना पर्यावरण के बारे मेंपर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम बेकार है। हमारे देश की आबादी के बड़े हिस्से के रूप में युवा या छात्रों को टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल वातावरण में योगदान करने की जिम्मेदारी समझनी चाहिए। प्रकृति, संरक्षण, कारकों को रोकने और प्रकृति के संरक्षण के बारे में समझ और जागरूकता के साथ छात्रों को पोषण करनेकी आवश्यकता है । यही कारण है कि शोधार्थी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों के बीच सामाजिकचेतनाजानने के लिए वर्तमान अध्ययन काचयनकियाहै।प्रयागराज के लोगों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना का अध्ययन करने के लिए महत्वपूर्ण है कि प्रयागराज के अनुकूल माहौल को उनके पर्यावरणीयसामाजिकचेतना में कोई सकारात्मक या नकारात्मक योगदान करना है या नहीं। यहछात्रों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना उत्थान के लिए स्कूल प्राधिकरण को एक महत्वपूर्ण संदेश होगा। यहशोधअध्ययन सरकार, एनजीओ और पर्यावरणीय स्थिरता की ओर बढ़ने के लिए आम जनता के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश होगा। लेकिन कम से कम, एक विशेष अवधारणा में एक योग्यता, एक जागरूकता परीक्षण व्यक्ति के बीच जागरूकता बढ़ाने में सक्षम हो सकता है

शोधअध्ययनका उद्देश्य :

1.प्रयागराज जिले केउच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियोंके बीच पर्यावरणसामाजिकचेतनाकेस्तर कातुलनाकरना।

2. प्रयागराज जिले के ग्रामीण और शहरी उच्चमाध्यमिकस्तरके विद्यार्थियों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना के स्तर की तुलना करना।

3. लिंग के आधार पर प्रयागराज जिले के उच्चमाध्यमिक स्तरके विद्यार्थियोंके बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना के स्तर की तुलना करना।

4. प्रयागराजजिले के विज्ञान और कलावर्ग के उच्चमाध्यमिक स्तरकेविद्यार्थियों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना के स्तर की तुलना करना।

शोधपरिकल्पना:

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्यों के आधार पर निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है ।

1.प्रयागराजजिलेकेउच्चमाध्यमिकस्तरपरविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणसामाजिकचेतनामेंकोईअन्तरनहीहै।

2.प्रयागराजजिलेकेग्रामीणऔरशहरीउच्चमाध्यमिकस्तरपरविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणीयसामाजिकचेतनामें कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

3. लिंगकेआधारपरप्रयागराजजिलेकेउच्चमाध्यमिकस्तरपरविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणीयसामाजिकचेतनामें कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

4. प्रयागराजजिलेकेविज्ञानऔरकलावर्गकेउच्चमाध्यमिकस्तरपरविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणीयसामाजिकचेतनामेंकोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

शोधविधि:

प्रस्तुत अध्ययन हेतु वर्णनात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है

जनसंख्या:

प्रयागराजजिले के सभी ग्रामीण और शहरी उच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों (कक्षा11 वीं और 12 वीं) कीजनसंख्या कोलियागयाहै। शोधअध्ययन में कुल आठ उच्चमाध्यमिक विद्यालयों जिसमेंचार ग्रामीण और चारशहरीविद्यालयोंकोसम्मिलितकियागयाहै।इनविद्यालयोंसेकुल 160 छात्रों कोनमूना केरूपमेचयन कियागया।शोधअध्ययन के लिए चयनित स्कूलों के नाम निम्नलिखितहैं:

1. गवर्नमेंट इंटर कॉलेज प्रयागराज

2. गवर्नमेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रयागराज

3. स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज प्रयागराज
4. जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रयागराज
5. शिवाजी इंटर कॉलेज सहसों प्रयागराज
6. जवाहर लाल इंटर कॉलेजसहसों प्रयागराज
7. शिवकली रामसहाय यादव इंटर कॉलेज थरवई प्रयागराज
8. बाबूजे.आर.डी. पाल इंटर कॉलेज थरवई प्रयागराज

प्रयुक्तउपकरण:

यादृच्छिकनमूनाकरणतकनीककाउपयोगउत्तरदाताओंसेडेटाकेसंग्रहकेलिएकियागया।डेटाकेसंग्रहकेलिए,शोधार्थीनेस्वयंनिर्मितपर्यावरणीयसामाजिकचेतनास्केलकाप्रयोगकिया,जिसमेंपर्यावरणकेविभिन्नआयामोंसेजैव-विविधता,रिश्तों (पारिस्थितिकी केतत्वोंकेबीच),ओवरपोपुलेशन,खाद्यउत्पादन,स्वास्थ्यऔरस्वच्छता,आदतोंकीगिरावट,औरहवा,पानीऔरमिट्टीकेप्रदूषण, आदिपैमानेकोतीनवर्गोंमेंविभाजितकियागयाहै।डेटाकेसंग्रहकेलिएशोधार्थीव्यक्तिगतरूपसेसमयकोध्यानमेरखतेहुयेउनकी सुविधाकेअनुसार,सभीआठस्कूलोंमेंउपकरणकोसंचालितऔरप्रशासितकियाहै।

प्रयुक्तसाख्यिकीप्रविधि:

सांख्यिकीयविश्लेषणकेलिएमध्यमान, प्रतिशत,मानकविचलन, टी-टेस्टकाउपयोगडेटाकेविश्लेषणमेंकियागयाहै।

आकडोंकाविश्लेषणएवंव्याख्या:

संकलितकिए गए डेटा कोमानदंडों के अनुसार और निर्देशों के आधार पर दिए गए हैं और इन्हें निम्न तालिकाओं में प्रस्तुत किया जाता है ।

तालिका संख्या 01 :

पर्यावरणीयसामाजिकचेतना और आवृत्ति वितरण के स्कोर का वर्गीकरण।

स्कोरकीसीमा	आवृत्ति	प्रतिशत(%)	टिप्पणी
79-117	115	71.87	उच्च
40-78	44	27.5	औसत
00-39	1	0.62	कम

पर्यावरणीयसामाजिकचेतनाकेस्तरपरतालिकासंख्या 01 मेंकुलनमूनोंकावितरितस्कोर,प्रतिशतके 71.87% (115) छात्र79 से117 तककेउच्चस्तरकेहैं, 27.5% (44) छात्र40से78 तककेऔसतस्कोरकेतहतहै, औरकेवल 0.62% (1) छात्र 0 से 39 तककेरूपमेंनिम्नस्कोरकेतहतहै।

तालिका संख्या 02

उच्चमाध्यमिकस्तर के छात्र-छात्राओं को दियेगयेपर्यावरणीयसामाजिकचेतनाकीतालिका :

संख्या	मध्यमानस्कोर	मध्यमानप्रतिशत	मानकविचलन
160	83.02	70.96	13.97

तालिकासंख्या02 से स्पष्टहोता है कि उच्च-माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना का मध्यमानस्तर83.02 और मध्यमानप्रतिशत 70.96% है, तथामानकविचलन13.97 है।जिसे सामान्य रूप में एक अच्छे स्कोर के रूप में माना जा सकता है।

विवेचना सेयह स्पष्टहोता है कि अधिकांश छात्रों के पास पर्यावरणीयसामाजिकचेतना का उच्च स्तर है, छात्रों के एक तिहाई से कम एक पर्यावरणीय सामाजिकचेतना का औसत स्तर है और छात्रों की एक नगण्य संख्या में कम सामाजिकचेतना स्तर है। इसलिए, यह कहा जा सकता है कि प्रयागराज जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना का स्तर काफी अधिक है।

तालिका संख्या 03 :

प्रयागराजजिलेकेग्रामीणऔरशहरीउच्चमाध्यमिकस्तरकेविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणीयसामाजिकचेतनाकेस्तरकीतुलनाकी तालिका :

समूह	संख्या	मध्यमानस्कोर	मध्यमानप्रतिशत	मानकविचलन	टी-मूल्य
ग्रामीण	80	83.78	71.61	15.88	0.24
शहरी	80	82.26	70.30	11.09	

0.05 सार्थकतास्तरपरसार्थक।

पर्यावरणीयसामाजिकचेतना परीक्षण में ग्रामीण और शहरी उच्चमाध्यमिकस्तर के छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए औसत मध्यमानस्कोर क्रमशः 83.78 और 82.26 है। औरमध्यमानप्रतिशत क्रमशः 71.61% और 70.30% पाया गया है।तथा दोनों का मान कविचलन15.88 और11.09 प्राप्तहोताहैं। इनके बीच टी -मूल्य का मान 0.24 है।टी-मूल्य1.64 सेसार्थकतास्तर0.05 परकमहै।ग्रामीण और शहरी उच्चमाध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच उनके पर्यावरण के स्तरसामान्यहैअतःपरिकल्पनास्वीकृतहोतीहैं।

तालिकासंख्या04 :

लिंगकेआधारपरप्रयागराजजिलेकेउच्चमाध्यमिकस्तरपरविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणीयसामाजिकचेतनास्तरकेतुलनाकीतालिका:

समूह	संख्या	मध्यमान स्कोर	मध्यमानप्रतिशत	मानकविचलन	टी-मूल्य
लडकियों	80	87.07	74.41	11.44	3.81
लडके	80	78.97	67.50	15.13	

0.05 सार्थकतास्तर परसार्थक।

उपरोक्त तालिका यहदर्शाती है कि पर्यावरण जागरूकता परीक्षण में लड़कियों और लड़कों द्वारा प्राप्त मध्यमानस्कोर क्रमशः 87.07 और 78.97 है । मध्यमान प्रतिशत क्रमशः 74.41% और 67.50% प्राप्तहोताहैं । तथामानकविचलनक्रमशः11.44 एवं15.13 हैं। दोनों माध्य मूल्यों को 1.64 डिग्री स्वतंत्रता के साथ महत्व के 0.05 सार्थकतास्तर पर 158 के महत्वपूर्ण मूल्य की तुलना में परीक्षण के अधीन किया गया है । इसलिए, घोषित शून्य परिकल्पना" पर्यावरणीयसामाजिकचेतना के अपने स्तर में उच्च माध्यमिक स्तरकेलड़कियों और लड़कों के छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है " स्वीकार नहीं किया जाता है ।

विवेचनासेप्राप्तहोता है कि प्रयागराजजिले में उच्च माध्यमिक स्तरविद्यालयों की लड़कियों और लड़कों के छात्रों के बीच जागरूकता का स्तर काफी भिन्न है । यहां लड़कियां लड़कों की तुलना में काफी अधिक जागरूक हैं । इस शोध के संभावित कारण अधिक सौंदर्य बोध, प्रश्नावली का जवाब देने के दौरान गंभीरता और पर्यावरण के बारे में लड़कियों के बीच बेहतर विषय समझ के कारण हो सकते हैं ।

तालिकासंख्या05 :

4.

प्रयागराजजिलेकेविज्ञानऔरकलावर्गकेउच्चमाध्यमिकस्तरकेविद्यार्थियोंकेबीचपर्यावरणीयसामाजिकचेतनाकेस्तरकीतुलनाकीतालिका:

समूह	**संख्या**	**मध्यमानस्कोर**	**मध्यमानप्रतिशत**	**मानकविचलन**	**टी- मूल्य**
विज्ञान	**80**	**83.96**	**71.76**	**15.20**	**0.19**
कला	**80**	**82.08**	**70.15**	**12.65**	

0.05 सार्थकतास्तर पर सार्थक।

उपर्युक्ततालिकाकेअवलोकनसेस्पष्टहोताहै कि विज्ञान और कलावर्गका मध्यमान स्कोर पर्यावरणीय सामाजिकचेतना परीक्षण पर छात्रों को क्रमशः 83.96 और 82.08 है। और मध्यमान प्रतिशत क्रमशः 71.76%

और 70.15% प्राप्तहोताहैं।तथामानकविचलनक्रमशः15.20 एवं12.65 प्राप्तहोताहैं।टी-मान 0.19 पाया गया हैजोपरिगणितटी-मान 0.05 सार्थकतास्तर से कम है ।इसलिएशून्यपरिकल्पना "पर्यावरणीयसामाजिकचेतना के स्तर में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विज्ञान और कलावर्ग के छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है"यहपरिकल्पना स्वीकार किजातीहै। अतः यह स्पष्ट है कि प्रयागराज जिले में उच्च माध्यमिकस्तरके विद्यालय के विज्ञान और कलावर्गके छात्रों के बीच समान पर्यावरणीयसामाजिकचेतनाहै।

निष्कर्ष :

संकलित किए गए डेटा के विश्लेषण के बाद, परिणामों से पता चला है कि प्रयागराजजिले के उच्च माध्यमिक स्तरकेविद्यालयों के छात्रों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना का समग्र स्तर काफी अधिक है। प्रयागराज जिले के ग्रामीण और शहरी उच्च माध्यमिक स्तरकेविद्यालय के छात्रों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना का एक समान स्तर है। इसके अलावा, पर्यावरणीयसामाजिकचेतना के अपने स्तर के उच्च माध्यमिक स्तरकेविद्यालयों के विज्ञान और कलावर्गके छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, वे पर्यावरणीयसामाजिकचेतना के स्तर के संबंध में समान हैं। लेकिन, पर्याव रणीयसामाजिकचेतना का स्तर, उच्चमाध्यमिक स्तरकेविद्यालयों के लड़कियों और लड़कों के बीच काफी अलग है। यहां लिंगकेप्रति लड़कों की तुलना में लडकियोंको काफी अधिक जानकारी हैं। निष्कर्ष तः वर्तमान समय में, राज्योंको तेजी से औद्योगिकीकरण और शहरीकरण के कारण पर्यावरण की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भविष्य मेंये समस्याएं प्रयागराजकी जैव विविधता के लिए प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए, नई पीढ़ी को भविष्य के लिए एक चुनौती के रूप में पर्यावरणीय समस्याएं कोलेनी चाहिए। वर्तमान अध्ययन प्रयागराज जिले के उच्चमाध्यमिक स्तरकेविद्यालयों के छात्रों के बीच पर्यावरणीयसामाजिकचेतना की जांच करनीहै। इसशोधअध्ययन से शोधार्थी ने निष्कर्ष निकाला है कि प्रयागराजजिले में उच्च माध्यमिक स्तरकेविद्यालय के छात्रों मे पर्यावरणीयसामाजिकचेतना का स्तरउच्च है। दो लिंगों के बीच पर्यावरण जागरूकता के स्कोर की तुलना में, शोधअध्ययन लड़कों की तुलना में लड़कियों के बीच विपरीत है। लेकिन ग्रामीण और शहरी उच्चमाध्यमिकस्तरके विद्यालयों के छात्रों के बी चकलावर्गकीअपेक्षाविज्ञानवर्गमहत्वपूर्णनहीं हैं।इसलिए, यह कहा जा सकता है कि पाठ्यक्रम में शामिल पर्यावरणीय सामग्री का योगदानपर्यावरण के बारे में जागरूकता पर्यावरण और इसने छात्रों के पर्यावरण ज्ञान पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। और अधिकवातावरण परपर्यावरण के बारे में सामाजिकचेतनाका सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

सुझाव :

शोध अध्ययन के परिणाम प्रयागराज जिले के उच्च माध्यमिक स्तरकेविद्यालय के छात्रों के बीच एक उच्च स्तर की पर्यावरणीय जागरूकता दिखातीहैं। लेकिन, स्कूलों को अपने स्तर के बीच उत्कृष्टता के लिए इस स्तर को आगे बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। जैसा कि खोज से पता चला है कि लड़कियों की तुलना में, लड़कों को पर्यावरणीयसामाजिकचेतना की स्थिति में निर्दिष्ट दिखाया जाता है, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना चाहिए कि हर छात्र को ज्ञान, अनुभव, नैतिकता, मूल्यों, सकारात्मक दृष्टिकोण, दायित्वों और पर्यावरण के संरक्षण और सुधार के लिए आवश्यक कौशल के लिए समान अवसर प्रदान किए जाते हैं। फील्ड ट्रिप्स, सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों, प्रकृति की पैदल चलने और प्रकृति अध्ययन के आयोजन के द्वारास्कूल पर्यावरण के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक ज्ञान के साथ पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा कर सकते हैं। स्कूल पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण दिनों का जश्न मना सकते हैं, दुनिया के पर्यावरण दिवस (5 जून), पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल), राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (28 फरवरी), विश्व वानिकी दिवस (21 मार्च), विश्व जल दिवस (22 मार्च), विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल), अंतर्राष्ट्रीय दिवस जैविक विविधता (22 मई), विश्व आबादी दिवस (11 जुलाई), विश्व ओजोन डे (16 सितंबर), राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह (2 अक्टूबर), आदि

पर्यावरण के संरक्षण से संबंधित छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित किया जा सकता है और इस संबंध में, एक स्कूल गैर सरकारी संगठनों और समुदाय के साथ मिलकर काम कर सकता है।आजनवाचारकीतकनीकसेविभिन्नविषयों एड्स और आधुनिक तकनीकों को पर्यावरणीय सामाजिकचेतना के वास्तविक स्रोतों और पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण के लिए ठोस रणनीतियों पर पहुंचने के लिए अपनाया जा सकता है। शोधार्थीने भी अधिकतर स्थानों पर विभिन्न सामाजिक संस्थानों के विभिन्न हितधारकों के बीच पर्यावरण जागरूकता पर अधिक गहराई से अध्ययन किया है। लोगों के बीच पर्यावरण जागरूकता को मापने वाले जहां पर्यावरणीय गिरावट अधिक और बहुत महत्वपूर्ण है ।पर्यावरण जागरूकता की स्थिति जानने के बाद, सार्वजनिक और शासकीय निकाय द्वारा उचित कदम उठाए जाने चाहिए।

संदर्भ ग्रंथसूची:

1. तोमर, ए. (2017), पर्यावरण शिक्षा नई दिल्ली: काल्पेज प्रकाशन

2. मिश्रा, के . (2012), महेश्वर और मंडलेश्वर के वितरक छात्रों, जिला-खार्गोन (एम.पी) के बीच पर्यावरण जागरूकता, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रकाशन, 2 (11), 01-3

3. कुमार, एन.पी. (2013), आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय में शिक्षण संकाय के बीच पर्यावरण शिक्षा के बारे में जागरूकता पर एक मामला अध्ययन, मास्टर शोध प्रबंध इग्नू, नई दिल्ली

4. गोपीनाथ, जी.(2014), केरल राज्य के जिले में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता पर एक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एजुकेशन और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान, 3 (2), 54-57

5. बार्मन, एन. (2015), माध्यमिक स्तर के छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता का एक तुलनात्मक अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अभिनव अनुसंधान, 4 (3), 7575-7579

6. सुंदर, एस. (2015), बी.एड के पर्यावरण जागरूकता का एक तुलनात्मक अध्ययन कॉलेज के छात्रों के साथ उनके सेक्स और उनकी आत्म-अवधारणा के संबंध में सामाजिक विज्ञान और मानविकी में एजीयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफिस, 1

7. बर्डन, एस. (2017), असम के जिले में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता पर एक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2 (2), 17-19।

8. लारिजनी, एम . (2017), उच्च प्राथमिक स्कूल शिक्षकों के बीच पर्यावरण जागरूकता का आकलन जर्नल ऑफ इक्वियन ऑफ इक्वोलॉजी, 31 (2), 121-124

9. पूनम (2017) , रोहतक में माध्यमिक स्तर के छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता का एक तुलनात्मक अध्ययन भारतीय और भारत के शिक्षा और अनुसंधान, भारत (आईआई), 39-41

10. शर्मा, एन.के. (2006), लिंग, ग्रामीण शहरी पृष्ठभूमि और शैक्षणिक धाराओं के संबंध में कॉलेज के छात्रों के पर्यावरण जागरूकता पर एक अध्ययन, शिक्षा में नए क्षितिज के ऑनलाइन जर्नल, 4 (2), 15-20

11.अस्थना, एस. और द्विवेदी, डी. के. (2015), बी.एड. के बीच पर्यावरण जागरूकता का एक अध्ययन , देहरादून जिले के उत्तमखंद अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ वैज्ञानिक और अभिनव अनुसंधान, 3 (1), 75-79

12. गुप्ता, एन. (2017), शहरी और ग्रामीण स्कूल के छात्रों के पर्यावरण जागरूकता इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग डेवलपमेंट एंड रिसर्च , 5 (1), 128-131

13. कपिल,एच. के. (2007), अनुसंधानविधियां,आगरा : हरप्रसादभार्गव।

14. गुप्ता,एस.पी. (2005), साख्यिकीयविधियां,इलाहाबाद : शारदापुस्तकभवन।

15. सारस्वत,मालती (1979), शिक्षामनोविज्ञानकीरूपरेखा,लखनऊ : आलोकप्रकाशन।

16. राय,पारसनाथ (2006), शैक्षिकअनुसंधान,आगरा : लक्ष्मीनारायणअग्रवाल।